दिनांक 01.10.2018 को मनुआपुल–योगापट्टी–नवलपुर–रतवल चौक पथ के 0 से 37.008 कि०मी० लम्बाई में चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य हेतु प्राप्त निविदा के तकनीकी बीड मूल्यांकन में प्राप्त परिवाद पर आंतरिक वित्तीय समिति की अनुशंसा पर निर्णय लेने हेतु BSRDCL के निविदा समिति के बैठक की कार्यवाही :–

समिति के सदस्यों की उपस्थिति :–

1.	श्री संजय कुमार अग्रवाल, प्रबंध निदेशक, BSRDCL	-	अध्यक्ष
2.	श्री लक्ष्मी नारायण दास, अभियंता प्रमुख–सह–अपर आयुक्त –सह–विशेष सचिव, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना	-	सदस्य
3.	श्री रजनीश कुमार, आंतरिक वित्तीय सलाहकार, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना	-	सदस्य
4.	श्री चन्द्र शेखर, मुख्य महाप्रबंधक, BSRDCL	-	सदस्य
5.	श्री ज्याति भूषण श्रीवास्तव, महाप्रबंधक (परियोजना)–1, BSRDCL	-	सदस्य
6.	श्री सुरेश कुमार, महाप्रबंधक (परियेाजना)–2, BSRDCL	-	सदस्य
7.	श्री हनुमान प्रसाद चौधरी, महाप्रबंधक (परियोजना)–3, BSRDCL	-	सदस्य

दिनांक 01.10.2018 को मनुआपुल–योगापट्टी–नवलपुर–रतवल चौक पथ के 0 से 37.008 कि०मी० लम्बाई में चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य हेतु प्राप्त निविदा के तकनीकी बीड मूल्यांकन में प्राप्त परिवाद पर विमर्श करने हेतु आंतरिक वित्तीय समिति की बैठक आहुत की गई। आंतरिक वित्तीय समिति द्वारा पाया गया कि परिवादी द्वारा उठाए गए बिन्दु निराधार हैं। अतः आंतरिक वित्तीय समिति द्वारा यह पाया गया कि पूर्व में आतंरिक वित्तीय समिति एवं निविदा समिति द्वारा मेसर्स त्रिभुवन नारायण सिंह को तकनीकी बिड में सफल घोषित किया गया था, उचित है। आंतरिक वित्तीय समिति द्वारा यह अनुशंसा किया गया कि उक्त पर निविदा समिति का अनुमोदन प्राप्त हो जाने के उपरांत आतंरिक वित्तीय समिति की यह अनुशंसा एवं निविदा समिति के अनुमोदन को बेवसाइट पर अपलोड करते हुए वित्तीय निविदा खोली जाए। आंतरिक वित्तीय समिति की कार्यवाही संलग्न। तदनुसार आंतरिक वित्तीय समिति की अनुशंसा को निविदा समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

विस्तृत चर्चा एवं विचार विमर्श के उपरांत निविदा समिति द्वारा मेसर्स उज्जैन इंजीकॉन इंडिया प्रा० लि० एवं मेसर्स त्रिभुवन नारायण सिंह के Uploaded Bid Documents पर दिये गये परिवाद पर BSRDCL के आतंरिक वित्तीय समिति द्वारा विभिन्न श्रोतों से प्राप्त कागजातों के जांचोपरांत लिये गये निर्णय को उचित पाया तथा आतंरिक वित्तीय समिति के अनुशंसा को अनुमोदित किया गया। तदालोक में तीनों सफल निविदादाताओं के वित्तीय बिड खोलने के प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया।

01.10.18
(सुरेश कुमार)
महाप्रबंधक
(परियोजना)–2

01/10/18
(ज्योति भूषण श्रीवास्तव)
महाप्रबंधक
(परियोजना)–1

1/10/18
(हनुमान प्रसाद चौधरी)
महाप्रबंधक
(परियोजना)–3

1.10.18
(चन्द्र शेखर)
मुख्य महाप्रबंधक

01/10/18
(रजनीश कुमार)
उप सचिव–सह–आतंरिक
वित्तीय सलाहकार, पथ
निर्माण विभाग, पटना

1/10/18
(लक्ष्मी नारायण दास)
अभियंता प्रमुख–सह–अपर
आयुक्त–सह–विशेष सचिव,
पथ निर्माण विभाग, पटना

1/10/18
(संजय कुमार अग्रवाल)
प्रबंध निदेशक, BSRDCL

दिनांक 01.10.2018 को मनुआपुल–योगापट्टी–नवलपुर–रतवल चौक पथ के 0 से 37.008 कि०मी० लम्बाई में चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य हेतु प्राप्त निविदा के तकनीकी बीड मूल्यांकन में प्राप्त परिवाद पर निर्णय लेने हेतु BSRDCL के आंतरिक वित्तीय समिति के बैठक की कार्यवाही :–

उपस्थिति :– संलग्न पंजी अनुसार

1. मनुआपुल–योगापट्टी–नवलपुर–रतवल चौक पथ के 0 से 37.008 कि०मी० लम्बाई में चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य हेतु प्राप्त निविदा के तकनीकी बीड का मूल्यांकन आंतरिक वित्तीय समिति (IFC) द्वारा दिनांक 31.08.2018 के बैठक में किया गया तथा कुल 4 निविदादाता में से 3 को तकनीकी मूल्यांकन में सफल पाया गया तदनुसार उनके वित्तीय बीड खोलने की अनुशंसा की गई।
2. आंतरिक वित्तीय समिति के मूल्यांकन में एक निविदादाता मेसर्स वंशीधर कंसट्रक्शन प्रा० लि० को ITB के Clause 4.5 (A) (C) के तहत् "Earthwork in both excavation and construction of Embankment" के कार्य में पर्याप्त अनुभव नहीं रहने के कारण असफल घोषित किया गया। जो निविदादाता तकनीकी मूल्यांकन में सफल पाए गए, वे निम्नवत् है :–

   (i) मेसर्स त्रिभुवन नारायण सिंह

   (ii) मेसर्स गावर कंसट्रक्शन प्रा० लि०, हरियाणा

   (iii) मेसर्स उज्जैन इंजिकॉन इंडिया प्रा०लि० एवं मेसर्स नारायण निर्माण (जे०भी०)

3. दिनांक 31.08.2018 को निविदा समिति की बैठक में IFC द्वारा तकनीकी मूल्यांकन में सफल तीनों निविदादाताओं के वित्तीय बीड खोलने के प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया।
4. तदालोक में दिनांक 04.09.2018 को BSRDCL के Website एवं दिनांक 12.09.2018 को e-proc.bihar.gov.in पर Technical Bid मूल्यांकन को upload किया गया तथा दिनांक 19.09.2018 को 3:00 बजे वित्तीय बीड खोलने का समय निर्धारित किया गया। वर्त्तमान समय तक असफल घोषित निविदादाता मेसर्स वंशीधर कंसट्रक्शन प्रा० लि० द्वारा कोई परिवाद नहीं दिया गया है।
5. इस बीच संवेदक उज्जैन–नारायण (जे०भी०) ने अपने पत्र–05/2018 दिनांक 18.09.2018 द्वारा मेसर्स त्रिभुवन नारायण सिंह के संबंध में एक परिवाद दिया गया। इस कार्यालय के पत्रांक–3015 (अनु०) दिनांक 20.09.2018 के माध्यम से मेसर्स त्रिभुवन नारायण सिंह से परिवाद में उठाए गए बिन्दुओं पर अपनी स्थिति स्पष्ट करने हेतु पत्र दिया गया।
6. मेसर्स त्रिभुवन नारायण सिंह ने e-mail के माध्यम से दिनांक 20.09.2018 को अपना स्पष्टीकरण समर्पित किया तथा स्पष्ट किया कि मेसर्स त्रिभुवन नारायण सिंह एवं मेसर्स पवनसुत कंसट्रक्शन दोनों अलग–अलग Entity है और दोनों कंपनियाँ एक दूसरे से संबंधित नहीं है। उनके द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार में किए गए काम से संबंधित अनुभव प्रमाण पत्र समर्पित किया गया है।
7. IFC द्वारा मेसर्स त्रिभुवन नारायण सिंह द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण को स्वीकार योग्य माना गया।
8. इस बीच इस कार्यालय के पत्रांक–3034 दिनांक 22.09.2018 द्वारा जल संसाधन विभाग से मेसर्स उज्जैन इंजिकॉन इंडिया प्रा०लि० के संबंध में Debarrment से संबंधित जानकारी माँगी गई। संबंधित महाप्रबंधक द्वारा स्वयं दिनांक 22.09.2018 को अभियंता प्रमुख (मुख्यालय), जल संसाधन विभाग के कार्यालय में जाकर इस संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। उनके द्वारा सूचित किया गया कि माननीय उच्च न्यायालय, पटना के आदेश के आलोक में संवेदक उज्जैन इंजिकान इंडिया प्रा० लि० का नाम डिबार संवेदकों की सूची से हटा दिया गया है।

1/10/18

9. इस बीच उज्जैन – नारायण (जे0वी0) द्वारा दिनांक 26.09.2018 को एक परिवाद पत्र दिया गया, जिसमें निम्न बाते कही गयी है:–

"उपरोक्त निविदा के तकनीकी मुल्यांकन में मेसर्स त्रिभुवण नारायण सिंह को सफल घोषित किया गया है। हमें किसी माध्यम से ज्ञात सूचना मिली की इनके द्वारा गाजीपुर (उत्तर प्रदेश), PWD के Construction Division-3 से 2013 में इनको Mau to Yusufpur पथ का निर्माण कार्य आवंटित हुआ था, जो आज तक अधूरा है। हमारे द्वारा मउ युसूफपुर पथ को देखा गया तथा पथ अधूरा पाया गया। हमने उस पथ का Video बनवाया गया है, जो इस पत्र के साथ संलग्न है। क्या मेसर्स त्रिभुवन नारायण सिंह ने शेष कार्य के अपने Existing work Comittment में इसे दिखाया है।

पुनः ये कहना चाहता हूँ कि मेसर्स त्रिभुवन नारायण सिंह के प्रोपराइटर, श्री त्रिभुवन नारायण सिंह के और भी कई व्यापार इसी नाम से चलते हैं तथा सभी व्यापार का कुल टर्नओवर का एक पैन से Return दिया जाता है।

विदित हो कि विभाग द्वारा निविदा में सिर्फ Civil Construction के कार्य का टर्नओवर की ही मान्यता होती है।

अतः मेसर्स त्रिभुवन नारायण सिंह के Work Payment Certificate हर वित्तीय वर्ष से उनके Annual Turnover को जाँचा जाए ताकि सुनिश्चित हो कि उनका Civil Construction Work का Turnover वास्तविक है।

पुनः ये सूचित करना है कि मसर्स त्रिभुवन नारायण सिंह का गाजीपुर रेलवे स्टेशन पर भी Wshing Pit का कार्य चल रहा है।

अतः श्रीमान् से निवेदन है कि उपरोक्त सभी तथ्यों पर सघनता पूर्वक जाँचोपरांत ही अग्रेतर कार्रवाई करना चाहेंगे वरना हमे बाध्य होकर न्यायालय के शरण में जाना पड़ेगा।"

10. परिवाद पत्र में मउ युसूफपुर मार्ग से संबंधित अधिशासी अभियंता, निर्माण खण्ड–3, लोक निर्माण विभाग, गाजीपुर को इस कार्यालय के पत्रांक–3155 (अनु0), दिनांक 28.09.2018 द्वारा निर्गत अनुभव प्रमाण–पत्र को सम्पुष्ट करने का अनुरोध किया गया था। साथ ही यह भी स्पष्ट करने हेतु कहा कि कार्य पूर्ण है या अपूर्ण है। यदि अपूर्ण है, तो क्या इसके लिए संवेदक दोषी है?

11. उक्त के अनुपालन में संबंधित अधिशासी अभियंता, निर्माण खण्ड–3, लोक निर्माण विभाग, गाजीपुर के पत्रांक–2375/7ए, दिनांक 28.09.2018 द्वारा निम्न सूचना दी गयी है :–

"उपरोक्त विषयक संदर्भित पत्र के संबंध में अवगत कराना है कि श्री त्रिभुवन नारायण सिंह, चन्द्रशेखर नगर रौजा, गाजीपुर का अनुभव प्रमाण पत्र आप द्वारा इस खण्ड के सत्यापन हेतु भेजा गया है। संलग्न अनुभव प्रमाण पत्र इस खण्ड द्वारा ही निर्गत किया गया है। संलग्न अनुभव प्रमाण पत्र के कार्य की लागत रु॰66,16,050,42.00 थी। परन्तु कार्यस्थल पर कार्य की अधिकता होने के कारण रु॰71,66,08,918.41 का कार्य ठेकेदार द्वारा पूर्ण करा दिया गया है। शासन स्तर से धन अभाव के कारण कार्य समय से पूर्ण नहीं हो पाया है, इसमें ठेकेदार की कोई कमी नहीं है।"

12. दिनांक 29.09.2018 को मेसर्स त्रिभुवन नारायण सिंह के वर्त्तमान चार्टर्ड एकाउन्टेंड दिनेश प्रसाद श्रीवास्तव एवं एसोसिएट्स, लखनऊ द्वारा e-mail के माध्यम से वर्ष 2016–17 एवं 2017–18 के लिए Civil Engineering Constructions Turn Over को क्रमशः रु० 17519.37 लाख तथा रु० 11005.56 लाख सत्यापित किया गया है। ज्ञातव्य है कि Bid Evaluation में वर्ष 2016–17 के लिए दिए गए Turnover रु० 17519.37 लाख को लेकर ही Bid Capacity की गणना की गई थी जिसके अनुसार Bid Capacity 1224.32 करोड़ होती है जो वांछित राशि रु० 122.45 करोड़ से अधिक है।

1/10/18

इस प्रकार समिति द्वारा पाया गया कि परिवादी द्वारा उठाए गए बिन्दु निराधार हैं। अतः समिति द्वारा यह पाया गया कि पूर्व में आतंरिक वित्तीय समिति एवं निविदा समिति द्वारा मेसर्स त्रिभुवन नारायण सिंह को तकनीकी बिड में सफल घोषित किया गया था, उचित है। आंतरिक वित्तीय समिति द्वारा यह अनुशंसा की जाती है कि उक्त पर निविदा समिति का अनुमोदन प्राप्त हो जाने के उपरांत आतंरिक वित्तीय समिति की यह अनुशंसा एवं निविदा समिति के अनुमोदन को बेवसाइट पर अपलोड करते हुए वित्तीय निविदा खोली जाए।

सधन्यवाद बैठक समाप्त की गई।

(आनंद कुमार सिंहा)
उप महाप्रबंधक (वित्त)

(राम कुमार यादव)
उप महाप्रबंधक (तक0),

(मनोज कुमार)
उप महाप्रबंधक (तक0),
PIU, हाजीपुर

(आशुतोष कुमार सिंह)
उप महाप्रबंधक (तक0)

(सुरेश कुमार)
महाप्रबंधक
(परियोजना)–2

(ज्योति भूषण श्रीवास्तव)
महाप्रबंधक
(परियोजना)–1

(हनुमान प्रसाद चौधरी)
महाप्रबंधक
(परियोजना)–3

(चन्द्र शेखर)
मुख्य महाप्रबंधक